११. समता की ओर

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(१) कृति पूर्ण कीजिए:

शिशिर ऋतु में हुए परिवर्तन
१) प्रकृति में - प्रकृति युक्तिहीन हो गई है
२) धरती पर - धरती पर कुंझटिका छाई हुई है

(२) जीवन शैली में अंतर स्पष्ट कीजिए :
उत्तर :

धनी	दीन-दरिद्र
(i) वे रंगीन कीमती साल दुशाले ओढ़ते हैं(ii) ये सुविधा-संपन्न मकानों में रहते हैं	इनके काँपते हुए शरीर पर रोज पाला गिरता है ये टूटे-फूटे घरों में रहते हैं, जहाँ हमेशा उदासी छाई	रहती हैं

(३) तालिका पूर्ण कीजिए:
उत्तर:

ऋतुएँ	अंग्रेजी माह	हिंदी माह
1. वसंत	मार्च - अप्रैल	चैत्र-वैशाख
2. ग्रीष्म	मई - जून	ज्येष्ठ-आषाढ़
3. वर्षा	जुलाई - अगस्त	श्रावण - भाद्रपद
4. शरद	सितंबर - अक्टूबर	आश्विन - कार्तिक
5. हेमंत	नवंबर - दिसंबर	मार्गशीर्ष - पौष
6. शिशिर	जनवरी - फरवरी	माघ - फाल्गुन

(४) निम्न मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :
१. रचनाकार
२. रचना का प्रकार
३. पसंदीदा पंक्ति
४. पसंदीदा होने का कारण
५. रचना से प्राप्त संदेश

उत्तर :

१. रचनाकार: मुकुटधर पांडेय।
२. रचना का प्रकार: नई कविता।
३. पसंदीदा पंक्ति: हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा, भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा।
४. पसंदीदा होने का कारण : जन्म से सभी मनुष्य एक जैसे हाते हैं, ऊँच-नीच, बड़ा-छोटा, धनवान-गरीब तो

मनुष्य अपनी-अपनी उपलब्धियों से बनता है। मनुष्य का आपस में भाई-भाई का नाता है। प्रस्तुत पंक्तियों में कहा गया है कि मनुष्य में आपस में एक-दूसरे का उपकार करने की भावना होनी चाहिए।

(५) अंतिम दो पंक्तियों से मिलने वाला संदेश लिखिए।
उत्तर : कवि कहते हैं कि मनुष्य-मनुष्य में कोई अंतर नहीं होता। सभी का आपस में भाई-भाई का नाता है। एक भाई का दूसरे भाई पर कुछ-न-कुछ अधिकार होता है। इसलिए हमारे, मन में एक-दूसरे का उपकार करने की भावना होनी चाहिए।

' विश्वबंधुता वर्तमान युग की माँग ' विषय पर अस्सी से सौ शब्दों में निबंध लिखिए।
उत्तर : वैज्ञानिक प्रगति और उपलब्धियों के बल पर आज विश्व सिमटकर बहुत छोटा हो गया है। विभिन्न देशों के लोग आज एक-दूसरे के बहुत करीब आ गए हैं। किसी भी देश में कोई घटना होती है, तो उससे दूसरे देश भी प्रभावित होते हैं। आज लोगों का एक-दूसरे के देशों में आना-जाना और व्यापार व्यवहार बहुत सुलभ हो चुका है। लोगों में आपसी प्रेम-भाव भी बहुत है। पर कुछ शक्तियाँ ऐसी हैं, जिनके कारण लोगों के बीच वैसा सौमनस्य स्थापित नहीं हो पा रहा है, जैसा होना चाहिए। इसके कारण कई देशों में अशांति का वातावरण है।

आतंकवाद और युद्ध का भय उनमें से एक है। विश्व में लोगों में आपसी भाईचारे के प्रयास पहले भी होते रहे हैं और आज तो बहुत तेजी से जारी हैं। आज के युग में विश्वबंधुता की सबसे अधिक आवश्यकता है। आज विश्व विस्फोटकों के ढेर पर बैठा हुआ है। तरह-तरह के विनाशक अस्त्र-शस्त्रों का भय लोगों को सता रहा है, जिसकी चपेट में सारा विश्व आ सकता है। इसलिए आज सभी देशों के बीच आपसी प्रेम-भाव और सौहाय की अत्यधिक आवश्यकता है। इस बात को अब सभी देश समझने लगे हैं और इस दिशा में प्रयास भी शुरू हो गए हैं। विश्वबंधुता की भावना से ही विश्व में शांति और सौहार्द स्थापित हो सकता है।